BRIC
a DBT Organization

NATIONAL INSTITUTE OF PLANT GENOME RESEARCH
NIPGR

# समाचार पत्र

अंक – 24, वर्ष – 2025 (जनवरी - मार्च)

## राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

(बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार)

## समाचार पत्र के इस अंक में -

- कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ
- सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां
- पीएच.डी. डिग्री अवार्ड
- साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

संपर्क करें:
श्री रत्नेश्वर ठाकुर (वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, विज्ञान संचार)
मैनेजिंग एडिटर, समाचार पत्र (हिंदी),
ई-मेल : social@nipgr.ac.in,
टेलीफ़ोन नं. : 011-26735251 (एक्सटेंशन: 251)

@NIPGR
@NIPGRsocial
www.nipgr.ac.in

## कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

**गणतंत्र दिवस समारोह – 26 जनवरी, 2025**

संस्थान में 26 जनवरी को 76वां गणतंत्र दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। ध्वजारोहण, प्रेरणादायक संदेशों और सामूहिक संकल्प के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

**यूएन डे फॉर वुमन एंड गर्ल्स इन साइंस:**

11 फरवरी 2025 को संस्थान ने विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों के लिए यूएन दिवस एक विशेष कार्यक्रम के साथ मनाया। इस अवसर पर यूकेआरआई (UKRI) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. डेम ओटोलिन लेयसर ने संस्थान का दौरा किया। उन्होंने महिला शोधकर्ताओं से संवाद किया, प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया और वैज्ञानिक अनुसंधान में महिलाओं की भूमिका की सराहना की। यह आयोजन लैंगिक समानता और वैज्ञानिक सहयोग को प्रोत्साहित करने वाला रहा।

**राष्ट्रीय विज्ञान दिवस :** 28 फरवरी, 2025 को संस्थान ने स्वीडन के उमेओ प्लांट साइंस सेंटर के प्रोफेसर ऋषिकेश भालेराव के विशेष व्याख्यान "टेम्परेचर सेंसिंग इन द ट्री बड्स : लेवेराजिंग नॉइज़ फॉर रोबस्ट डिसिजन मेकिंग" के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया।

## कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

### कार्यशाला - बायो एआई फॉर रिसर्च

संस्थान की कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी और बायोइनफॉरमैटिक्स फैसिलिटी ने 21 जनवरी 2025 को *"बायोएआई फॉर रिसर्च"* विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें विभिन्न वैज्ञानिक पृष्ठभूमियों के प्रतिभागियों ने जैविक अनुसंधान में एआई के उपयोग पर चर्चा की। इंटरैक्टिव सत्रों और व्यावहारिक अभ्यासों के माध्यम से प्रतिभागियों ने कम्प्यूटेशनल जीनोमिक्स में महत्वपूर्ण कौशल अर्जित किए।

### हिंदी कार्यशाला

**संघ की राजभाषा नीति एवं कार्यालय में प्रयुक्त सरल हिंदी वाक्य" विषय पर कार्यशाला -**

25 फरवरी, 2025 को संस्थान ने "संघ की राजभाषा नीति एवं कार्यालय में प्रयुक्त सरल हिंदी वाक्य" विषय पर हिंदी कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य राजभाषा नीति की समझ और कार्यान्वयन को बढ़ाना तथा कार्यालय संचार में सरल हिंदी वाक्यों के प्रयोग को बढ़ावा देना था। यह एक ज्ञानवर्धक सत्र था, जिसमें सरकारी कामकाज में हिंदी में स्पष्ट एवं प्रभावी संचार के व्यावहारिक अनुप्रयोगों और महत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से चर्चा और अभ्यास में भाग लिया।

**संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक – मार्च 07, 2025**

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 47वीं तिमाही बैठक का आयोजन दिनांक मार्च 07, 2025 को किया गया। निदेशक, एनआईपीजीआर की अध्यक्षता में संस्थान में हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के संबंध में चर्चा की गई।

### कार्यशाला- मेजरमेंट ऑफ़ फ्री रेडिकल्स

**मेजरमेंट ऑफ़ फ्री रेडिकल्स - कार्यशाला**

10–11 मार्च 2025 को संस्थान में डीबीटी-सहज मंच के अंतर्गत "फ्री रेडिकल्स के मापन" पर एक व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को पीएमएफआर तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान करना था, जो पौधों में ऑक्सीडेटिव तनाव के अध्ययन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। देशभर से आए शोधकर्ताओं ने इसमें भाग लिया और फ्री रेडिकल मापन विधियों तथा उनकी जैविक भूमिका की गहन समझ प्राप्त की।

## सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

**डॉ. गोपालजी झा भारतीय विज्ञान अकादमी के फेलो चुने गए**

डॉ. गोपालजी झा (वैज्ञानिक, ब्रिक-एनआईपीजीआर) को 13 जनवरी, 2025 से भारतीय विज्ञान अकादमी, बैंगलोर का फेलो चुना गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान पादप आणविक जीव विज्ञान और जीनोमिक्स के क्षेत्र में डॉ. झा के उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करता है।

एनआईपीजीआर की पीएच.डी. छात्रा सुश्री प्रिया उपाध्याय ने 23-25 मार्च, 2025 को गोवा में आयोजित एडवांसेज इन एराचिस थ्रू जीनोमिक्स एंड बायोटेक्नोलॉजी पर 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एएजीबी 2025) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।

डॉ. रुचिका राजपूत (डॉ. आशुतोष पांडे की पूर्व पीएच.डी. छात्रा ) को जर्मनी के अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन द्वारा प्रतिष्ठित हम्बोल्ट रिसर्च फेलोशिप से सम्मानित किया गया! यह फेलोशिप उन्हें अपने वैज्ञानिक प्रयासों को आगे बढ़ाने तथा वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में योगदान देने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगी।

सुश्री निधि यादव (डॉ. जगदीश गुप्ता कपुगंती - शोध समूह) ने 24-26 फरवरी, 2025 को बिट्स पिलानी में आयोजित पीटीसीए इंडिया की 46वीं वार्षिक बैठक और करेंट ट्रेंड्स एंड चैलेंजेज इन प्लांट बायोटेक्नोलॉजी 2025 पर संगोष्ठी में एबियोटिक स्ट्रेस बायोलॉजी श्रेणी में दूसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।

BRIC
a DBT Organization

NIPGR

# समाचार पत्र

## सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

पीएच.डी. छात्रा सुश्री ऋचा विरमानी (डॉ. सलोनी माथुर- शोध समूह), ने हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित प्लांट बायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी में विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

पीएच.डी. छात्रा सुश्री मांडवी पांडे (डॉ. जितेंद्र गिरि - शोध समूह) ने प्लांट लिपिड पर अपना शोध प्रतिष्ठित गॉर्डन रिसर्च कॉन्फ्रेंस (जीआरसी) में “प्लांट लिपिड्स: स्ट्रक्चर, मेटाबोलिज्म एंड फंक्शन” और पोमोना, कैलिफोर्निया, अमेरिका में आयोजित संबंधित गॉर्डन रिसर्च सेमिनार (जीआरएस) में प्रस्तुत किया।

सुश्री अश्वथी पी.वी. (डॉ. पिंकी अग्रवाल - शोध समूह) को 24–26 फरवरी 2025 को आयोजित पीटीसीए इंडिया की 46वीं वार्षिक बैठक एवं "करेंट ट्रेंड्स एंड चैलेंजेज़ इन प्लांट बायोटेक्नोलॉजी – 2025" संगोष्ठी में 'प्लांट डेवलपमेंट' श्रेणी में तृतीय सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ।

पीएच.डी. छात्र श्री देबाशीष घोष (डॉ. सलोनी माथुर - शोध समूह) को 29–31 जनवरी 2025 को हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "डेवलपमेंट इन प्लांट बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी" में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला।

## सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

डॉ. मेधा पंथरी (डीबीटी-आरए, डॉ. आलोक सिन्हा शोध समूह) ने "प्लांट टिशू कल्चर एसोसिएशन (भारत)" की 46वीं वार्षिक बैठक एवं "प्लांट बायोटेक्नोलॉजी में वर्तमान प्रवृत्तियाँ एवं चुनौतियाँ" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में पोस्टर प्रस्तुति श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। यह कार्यक्रम 24-26 फरवरी, 2025 के दौरान बायोलॉजिकल साइंसेज़ विभाग, बीआईटीएस पिलानी, गोवा परिसर में आयोजित किया गया था।

सुश्री रूमी (डॉ. जितेंद्र गिरि एवं डॉ. आलोक सिन्हा शोध समूह) ने "प्लांट टिशू कल्चर एसोसिएशन (भारत)" की 46वीं वार्षिक बैठक तथा "प्लांट बायोटेक्नोलॉजी में वर्तमान प्रवृत्तियाँ एवं चुनौतियाँ" विषयक संगोष्ठी में मौखिक प्रस्तुति श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। यह कार्यक्रम 24-26 फरवरी, 2025 के दौरान बीआईटीएस पिलानी, के.के. बिड़ला गोवा परिसर के जैविक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

## आमंत्रित व्याख्यान

**प्रो. वेंकटेशन सुंदरेशन का व्याख्यान – "गैमेट्स टू ज़ीगोट्स टू सेल्फ-क्लोनिंग प्लांट्स"**

6 फरवरी, 2025 को संस्थान में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस के प्रो. वेंकटेशन सुंदरेशन द्वारा पौधों के प्रजनन और स्व-क्लोनिंग तंत्रों पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान आयोजित किया गया।

**डॉ. जोसेफ टी. मिलर का व्याख्यान – "डीएनए-डिराइव्ड बायोडायवर्सिटी डेटा"**

13 फरवरी, 2025 को संस्थान में जीबीआईएफ, डेनमार्क के निदेशक डॉ. जोसेफ टी. मिलर ने "डीएनए-डिराइव्ड बायोडायवर्सिटी डेटा" पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि कैसे डीएनए आधारित डेटा पृथ्वी की जैव विविधता को समझने और संरक्षित करने में सहायक है।

# पीएच. डी. डिग्री अवार्ड

1. संस्थान की पीएच.डी. छात्रा सुश्री दीपिका को "इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ जस्मोनिक एसिड बायोसिन्थेसिस पाथवे फॉर न्युत्रिएन्त डेफिशियेंसी टॉलरेंस इन राइस" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से जनवरी 14, 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. अमरजीत सिंह (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

2. संस्थान के पीएच.डी. छात्र श्री सौरव चटर्जी को "अंडरस्टैंडिंग द मॉलिक्यूलर सिग्नेचरस अंडरलाइंग ब्रांचिंग एंड प्लांट आर्किटेक्चर इन राइस" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से जनवरी 24, 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. आशीष रंजन (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

3. संस्थान के पीएच.डी. छात्र श्री अभिषेक प्रसाद को "अंडरस्टैंडिंग बायोलॉजिकल इन्वेशंस थ्रू जीनोमिक, ट्रांस्क्रिप्टोमिक एंड मेटाबोलोमिक इन्वेस्टीगेशनस ऑफ़ इन्वेशिव प्लांट स्पीशीज" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से जनवरी 30, 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. गीतांजलि यादव (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

4. संस्थान की पीएच.डी. छात्रा सुश्री पल्लबी ठाकुर को "फंक्शनल कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ एमइडी14, बैकबोन ऑफ़ मीडिएटर काम्प्लेक्स, इन अराबिडोपसीस थालियाना" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से फरवरी 05, 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. आशीष रंजन (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

## साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

### केएएचएम यूनिटी विमेंस कॉलेज, केरल से एनआईपीजीआर का अध्ययन दौरा :

3 जनवरी, 2025 संस्थान ने केएएचएम यूनिटी विमेंस कॉलेज, केरल के छात्रों के लिए एक अध्ययन भ्रमण आयोजित किया। डॉ. मुकेश के. मीना (वैज्ञानिक) ने एक ज्ञानवर्धक वैज्ञानिक व्याख्यान दिया। श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने संस्थान के विज़न, मिशन और चल रही शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन एनआईपीजीआर की अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं के दौरे के साथ हुआ ।

### सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ से एनआईपीजीआर का अध्ययन दौरा :

7 जनवरी, 2025 को संस्थान ने सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसवीपीयूएटी), मेरठ के 44 सदस्यों के लिए एक शैक्षिक दौरे की मेजबानी की। डॉ. पवन कुमार जेवारिया ने "मॉलिक्यूलर मैकेनिज्म ऑफ़ डिफरेंशियल सेल एलोंगेशन इन प्लांट्स" विषय पर व्याख्यान दिया। इसके बाद श्री रत्नेश्वर ठाकुर के नेतृत्व में एनआईपीजीआर की उन्नत अनुसंधान सुविधाओं का एक आकर्षक, इंटरैक्टिव दौरा कराया गया।

## साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

**मार थोमा कॉलेज, चुंगथारा, केरल से एनआईपीजीआर का अध्ययन दौरा :** 10 फरवरी 2025 को मार थोमा कॉलेज, चुंगथारा (केरल) के छात्रों ने एनआईपीजीआर का शैक्षणिक दौरा किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अमर पाल सिंह (वैज्ञानिक) के व्याख्यान से हुई, जिसमें उन्होंने संस्थान की शोध गतिविधियों पर प्रकाश डाला। श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने संस्थान का दौरा कराया और छात्रों को विज्ञान व शोध में करियर की संभावनाओं से अवगत कराया।

**कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबटूर से एनआईपीजीआर का अध्ययन दौरा :** 24 फरवरी, 2025 को संस्थान ने कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबटूर से अध्ययन दौरे के लिए 60 आगंतुकों की मेजबानी की। इस दौरे की शुरुआत डॉ. सेनजुति सिंहारॉय (वैज्ञानिक) द्वारा दिए गए वैज्ञानिक व्याख्यान से हुई। व्याख्यान के बाद, श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने संस्थान की अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं का एक दौरा कराया।

**एमिटी यूनिवर्सिटी, हरियाणा से एनआईपीजीआर का अध्ययन दौरा :** 7 मार्च 2025 को एमिटी यूनिवर्सिटी, हरियाणा के छात्रों ने एनआईपीजीआर का दौरा किया। डॉ. मनोज माजी (वैज्ञानिक) ने पादप अनुसंधान में नवीन प्रगति पर व्याख्यान दिया, जिसके बाद श्री आनंद सिंह राणा ने संस्थान की अनुसंधान सुविधाओं का दौरा कराया।